पश्चाताप - 9

अव्यक्त बापदादा (19.04.1973) **:-**

➳ _ ➳ **श्रेष्ठ संग में रहने वालों का रुहानी रंग भी सभी को दिखाई देना चाहिए।** कोई भी देखे तो उनको यह मालूम हो कि यह रुहानी रंग में रंगी हुई आत्माएँ हैं। ऐसे सभी को मालूम होता है या अभी गुप्त हो? यह रुहानी रंग गुप्त ही रहना है क्या? प्रत्यक्ष कब होना है? क्या अन्त में प्रत्यक्ष होंगे? वह डेट कौन-सी होगी? अन्त की डेट सभी की प्रत्यक्षता के आधार पर है।

➳ _ ➳ **ड्रामा प्लैन अनुसार आप श्रेष्ठ आत्माओं के साथ पश्चाताप का सम्बन्ध है। जब तक पश्चाताप न किया है तब तक मुक्तिधाम जाने का वरसा भी नहीं पा सकते।** इसीलिए जो निमित बनी हुई हैं उन से ही तो पूछेगे ना? निमित कौन है? आप सभी हो ना?

➳ _ ➳ **अभी अपने ही आगे अपने सम्पूर्ण स्टेज प्रत्यक्ष नहीं है तो औरों के आगे कैसे प्रत्यक्ष होंगे?** क्या अपनी सम्पूर्ण स्टेज आप को श्रेष्ठ दिखाई देती है वह हाथ उठाओ। वात्सव में सम्पूर्ण स्टेज तो नॉलेज से सभी जानते हैं। लेकिन अपने-आप को क्या समझते हो? समीप के हिसाब से उस समान बनेंगे ना? तो अपनी सम्पूर्ण स्टेज दिखाई देती है?

➢➢ पश्चाताप की विधि

➳ _ ➳ गलती स्वीकार कीजिये

→ निरहंकारी बनना होगा

- अहंकार से भरा चित कभी पश्चाताप नहीं कर सकता

➳ _ ➳ विचार करो

→ क्या क्या नहीं होना चाहिए था ?

- सोचो... आपके वो सभी कर्म डायमंड हाल की बड़ी स्क्रीन पर पूरे ब्राहमण परिवार को दिखाई जा रहे है ....

→ अपने पाप कर्मों को देखिये

- अशरीरी और साक्षी भाव में

➳ _ ➳ स्वयं को रूहानी रंग में रंगिये

→ स्वयं को उसके सामने वैसा प्रस्तुत करना ... जैसा मैं हूँ ...

- कोई मिलावट नहीं

➳ _ ➳ बाबा को पत्र लिखो

→ क्या क्या गलतियां हुई ?

- और फिर बाबा से सुझाव मांगो

➳ _ ➳ मंथन करो -

→ इन गलतियों के कारण (उत्तेजक / Causes / Trigger) क्या थे ?

➳ _ ➳ छोटी छोटी प्लानिंग बनाओ

→ एक-एक दो-दो तीन-तीन दिन की प्लानिंग बनाओ

- पहले एक दिन के विजयी बनो, फिर तीन दिन के विजयी बनो, फिर सात दिन के विजयी बनो, फिर 21 दिन के विजयी बनो... फिर 3 मॉस के विजयी बनो... फिर 6 मॉस के विजयी बनो... फिर 1 साल के विजयी बनो...

- Take Care Of Days, Weeks Will Take Care Of Themselves…. Take Care Of Weeks, Months Will Take Care Of Themselves….

➳ _ ➳ Review करो अपनी प्लानिंग की

➳ _ ➳ स्वयं को क्षमा करें

→ **खुद को Self Guilt से मुक्त करें**